अतिरिक्त लेख - 4

बाइबल
बाइबल अध्ययन का एक तरीका - 5 कदम का तरीका

नोट करेः बाइबल अध्ययन और परमेश्वर के साथ निजि समय बिताने के तरीकों में अन्तर नोट करें।
उद्देश्यः एक दल में बाईबल अध्ययन का उद्देश्य है कि हम सब एक साथ एक दल में यीशु मसीह से सम्बन्ध को विकसित कर सकें और उन सत्यों को जीवन में लागू कर सकें।इस लिए यह ज़रूरी है कि दल का हर सदस्य एक दूसरे को उत्साहित करे कि वह बाइबल के अध्ययन के विचार-विमर्श में भाग लें। दल के हर सदस्यों का निज भाग जोड़ा जाए। किसी को भी दल से अलग नहीं किया जाए विष्य कर यदि वह कुछ ऐसा बोले जो बाइबल के धर्मशास्त्र के अनुसार नहीं है। हर सदस्य को अनुभव होना चाहिए कि सारा धल सुन रहा है जब व कुकछ बोलता है। उसकी बात को गम्भीरता से ले और उसे ग्रहण करे। दल का बाइबल के शिक्षा या ज्ञान प्राप्त करते समय किसी भी सदस्य का दूसरे के साथ कोई मुकाबला नही है। इसके स्थान पर एक दूसरे से प्रेम करना, एक दूसरे को उत्साहित करना और एक दूसरे में आत्मविश्वास जगाना है।
दल के अगुवेः दल के अगुवे को बाइबल अध्ययन के दौरान शिक्षक बनने की ज़रूरत नही है। इसके स्थान पर उसे दल के एक सदस्य के समान रहना चाहिए। से दल के सदस्यों को उत्साहित करना है कि वे विचार विमर्श करके बाइबल को सत्य को खोज निकालें।
लाभः पाँच कदम तरीके को प्रयोग करने से निम्न लाभ मिलते हैं।

- यह बाइबल अध्ययन का एक आसान तरीका है और इसे आसानी से दूसरों तक पहुँचाया जा सकता है।
- यह बाइबल अध्ययन का ऐसा तरीका है जिसके द्वारा अकेले या एक छोटे दल में प्रशिक्षण दिया जा सकता हैं।
- यह बाइबल का एक ऐसा तरीका है जिसमें दल के सभी सदस्य हर स्तर पर भाग ले सकते हैं।
- दल के सदस्य पहले जो वे जानते हैं उसका आनन्द उठाते हैं इससे पहले कि वे अपना प्रश्न पूछें और उसे समझने की कोशिश करें।
- दल के सदस्य वही प्रश्न पूछते हैं जो उनके जीवन से जुड़े होते हैं।
- अधिक से अधिक सदस्य उत्तर को खोजने में भाग लेते हैं।
- दल के सदस्य सच का सम्बन्ध प्रतिदिन बाइबल से और अपने निजि जीवन के साथ बनाए रखे और से कि उनको कैसे अपने वन में लागू कर सकते हैं।
- दल के सदस्य आसानी से किसी एक सच को चुन कर अपने जीवन में लागू कर सकते हैं।
- दल के सदस्य सदा दो परमेश्वर उनको सिखाता है अपनी प्रार्थना में उसका प्रतिउत्तर देते हैं।

पहला तरीका. पढ़ेः **परमेश्वर का वचन**

पढ़ेः आईए हम इस बाइबल संदर्भ को मिल कर एक साथ पढ़ें।

आईए हम बारी-बारी से इस लेखाँश को पढ़े जब तक इसको पूरा न पढ़ लें।

दूसरा तरीका. खोज निकालें **अवलोकन**

ध्यान देः इस लेखाँश में ऐसा कौन सा प्रश्न है जो आप के लिए महत्त्वपूर्ण है? या ऐसा कौम से लेखाँश है जिस ने आपके दिल को छू लिया है?

लिख लेः एक या दो सत्य वचनों को खोज निकालें जो आप क समझ में आ रहे हैं। उन पर मनन करें और अपनी कापी में उनको लिख लें।

गवाही देः(दल के दो मिनट तक मनन करने के बाद बारी-बारी सब अपनी गवाही दें कि उन्होंने क्या खोज निकाला है।)

(याद रहे एक छोटे दल मे हर व्यक्ति की गवाही भिन्न होगी।)

<u>तीसरा कदम.</u> **समझाना**

ध्यान देः इस लेखाँश के विषय में आप दल से कौन सा प्रश्न पूछना चाहेंगे?

आईए हम कोशिश करें इस सत्य को जानने की जो _____में लिखे हैं और प्रश्न पूछें उस सब के विषय में जो अब तक समझ नहीं आया है।

लिख लेः लिख लेः अपना प्रश्न पूरी स्पष्ट रीति से पूछें और उसे अपनी कापी में लिख लें।

गवाही बाँटेः (जब सभी दल के सदस्य 2 मिनट तक विचार कर चुकें और कापी में अपने विचार लिख चुके हों तब बारी-बारी सब अपने विचारों को दूसरों के साथ बाँटें।

विचार-विमर्श करेः (फिर इन में से कुछ प्रश्न चुन कर उन के उत्तर पर दल के साथ मिल कर विचार-विमर्श करें और उनका उत्तर खोजने की कोशिश करें।)

<u>चौथा तरीका</u> **लागू करना**

ध्यान देनाः इस लेखाँश में कौन से ऐसे सत्य है जो मसीही लोग अपने जीवन में लागू कर सकते हैं?

अपने विचार बाँटें और लिख लेः आईए हम एक दूसरे के दिमाग में तूफान ला दें और उन सब सच्चाईयों को लिख ले जो हमें उत्पत्ति 1:1 – 2:4अ से जीवन में लागू करनी हैं।

ध्यान देः कौन सी ऐसी बात हमें लागू करनी है जो परमेश्वर चाहते है कि हम निजि रूप से अपने जीवन में लागू करें?

लिख लेः यह निजि लागू करने का सत्य जो आप अपने जीवन मे लागू करने वाले है उसे अपनी कापी पर लिख लें। अपने इस निजि चुनाव को दूसरों के साथ बाँटें।

(याद रहे हर व्यक्ति भिन्न सत्य का चुनाव कर सकता है या किसी सत्य को अन्य रीति से अपने जीवन पर लागू कर सकता है।

<u>तरीका 5 प्रार्थना करो</u> **प्रतिक्रिया**

आईए हम एक सत्य के लिए प्रार्थना करें जो परमेश्वर ने हमें _____में हमें सिखाया है।

(अपनी प्रार्थना में प्रतिउत्तर दें कि बाइबल अध्ययन के दौरान आपने क्या सीखा है? और केवल एक या दो वाक्यों में ही प्रार्थना करें। और याद रखे कि दल के अन्यलोग भिन्न विषयों में बात करेंगे।)